

राजकालीन काल-योजना [हिन्दी विभाग (कला संकाय स्नातक तृतीय वर्ष)]

परीक्षा	पाठ्यक्रम
<u>प्रश्न</u>	<p>हिन्दी साहित्य का आधुनिक काल : कविता : - भारतेन्दु युग, द्विवेदी युग, व्यासवाद, प्रेमचंद युग, प्रयोगवाद, नयी कविता, राजकालीन कविता</p> <p>- इतमकाल, योजना, कला, परीक्षा, साहित्य समीक्षा</p>
<u>सिद्धान्त</u>	<p>साहित्यदानंद हीरानंद वात्स्यायन अर्थशास्त्र की कविताओं का परिचय, व्याख्या, समीक्षा</p> <p>2. धर्मवीर झाड़ी के काव्य की समीक्षा, व्याख्या, समालोचना, कला परीक्षा, प्रश्नोत्तर</p> <p>3. नरेश मेहता परिचय, काव्य व्याख्या, समीक्षा, प्रश्नोत्तर, कला परीक्षा सापेक्षिक संवाद</p>
<u>अभ्युक्ति</u>	<p>नागार्जुन एवं उत्तरी कविताओं की समीक्षा व्याख्या प्रश्नोत्तर, कला परीक्षा</p> <p>2. रघुवीर साहाय की कविताओं की व्याख्या, समीक्षा, प्रश्नोत्तर, कला परीक्षा, सापेक्षिक संवाद</p>
<u>नवम्बर</u>	<p>कुंवर नारायण परिचय, कविताओं की व्याख्या, सम्यक् समीक्षा, कला परीक्षा</p> <p>2. लीलाधर व्यासजी की कविताओं की व्याख्या, समीक्षा, प्रश्नोत्तर, परीक्षा सापेक्षिक संवाद</p>
<u>दिसम्बर</u>	<p>प्रमोदनपुत्रक हिन्दी: पत्र लेखन, संक्षेप, पद्यावन पर समीक्षा, अभ्यास, कार्य प्रोत्साहन योजना</p> <p>समालोचना, कला परीक्षा, दोहराई</p>

Seen



हिन्दी विभाग, अक्षा, डॉ० सीमा कुमारी, सहायक प्राध्यापिका, हिन्दी विभाग, कला संकाय, स्नातक तृतीय वर्ष

राज्यातील कार्य योजना (विज्ञान संकाय - तृतीय स्तर) 2022-23
हिन्दी विभाग

शैलीना
भाष्यक्रम

आरंभ
वैयक्तिक शिवाचारी, निष्ठा का अभ्यास

खिन्नपूर
आरंभ - 3, भूमिखारण, माखनलक्ष्मणपूर की कविताओं पर व्याख्यान, समीक्षा कक्षा परीक्षा, समीक्षा कक्षा

अवतार
सूर्यमान त्रिपथि निराला, महदेव कर्म की कविताओं पर व्याख्यान, समीक्षा, रत्नकार्य -
योजना, कक्षा परीक्षा, सापेक्षिक नर्क-नितर्क (संगर)

नगपूर
शमशारी सिंह दिनकर, शैरवंधाराय बच्चन, सुख्यन कुमार का काव्य विश्लेषण, समीक्षा, व्याख्या
कक्षा परीक्षा, सापेक्षिक संगर /

दिसपूर
पत्रा एवंगार लेखन अभ्यास और क्षेत्राधिकार परीक्षा, सापेक्षिक-वर्ग, गर्वपणा

Seen
Hed

Dr. सीमा कुमारी

सहायक प्राध्यापिका (हिन्दी विभाग)
राजकीय महाविद्यालय, वादनी,
सायरी

अंकनगर	नवम्बर	दिसम्बर	जनवरी
<p>1 हिन्दी साहित्य का इतिहास</p> <p>हिन्दी साहित्य की पूर्व पीठिका, परम्परा, अर्थ एवं स्वरूप</p> <p>→ आधिकारीय साहित्य</p> <p>प्रश्नोत्तर, समीक्षा</p>	<p>- भावने गौरीय साहित्य</p> <p>- प्रश्नोत्तर, लेखार्थ</p> <p>- योजना, कक्षा - परीक्षा, सांग्रिडिक्स चर्चा</p>	<p>- रीनिकामीय साहित्य</p> <p>- प्रश्नोत्तर, कक्षा - परीक्षा, सांग्रिडिक्स नवी-चिन्तक, समीक्षा</p>	<p>दोहराई</p>
<p>2 विश्व स्वनाकार कबीरदास</p> <p>कबीरदास स्व स्वनाओं का पक्षधर</p> <p>पद्य 10 ग्रंथों का व्याख्यान कक्षा परीक्षा, समीक्षा</p>	<p>11 दो नंबर 28 तक</p> <p>ग्रंथों की व्याख्या</p> <p>समीक्षा, कक्षा परीक्षा</p> <p>सांग्रिडिक्स समीक्षा</p> <p>नव कार्य-योजना</p>	<p>प्रश्नोत्तर, समीक्षा - लेख सांग्रिडिक्स चर्चा</p> <p>कक्षा परीक्षा</p>	<p>दोहराई</p>

Seen


डॉ. सीमा कुमारी
 हिन्दी विभागाध्यक्षा
 राजकीय महाविद्यालय
 बादली, सोनभद्र

1. मैना → मैयूर

1. मैना → मैयूर	अंगारना	रिद म्पूर	अवतुषर	नवम्बर	दिस म्पूर
1. भारतीय साहित्य	भारतीय साहित्य की अवधारणा, समकालिकता परीक्षा, समकाल साहित्यिक विवेचना	भारतीयता का समावेश - मुल्य की शक्ति वाक्य काल साहित्य का परिचय - साहित्य का परिचय और कला परम्परा, इत्यादी काय समकालिकता	मंगल नवमास रोजा और गाय का विकास, काल का विकास मनुष्य का विकास - मंगल उपवास - और परम्परा	हिंदी एवं गोल साहित्य का लोकोपमक अध्ययन - भारतीय - कविमय - प्रमत्त - शरत्त - कदा परीक्षा	निराला एवं रवीन्द्रनाथ टैगोर का लोकोपमक अध्ययन - कदा परीक्षा - साहित्यिक संवाद -
2. प्रभा उल्लेखक हिन्दी	प्रभा उल्लेखक हिन्दी: परिभाषा और स्वरूप - हिन्दी के साहित्यिक स्वरूप पर	: राजभाषा/ हिन्दी के प्रमुख और - साहित्यिक परम्परा, साहित्यिक परम्परा/ परिभाषा - कथार और इतर का स्वरूप पर परिचय	इतर पर काम प्रभाषा, उपकरण - अनुवाद (प्रभाषा) - प्रभाषा, परीक्षा साहित्यिक गीत	प्रमत्त के निबन्ध - साहित्यिक स्वरूप - प्रभाषा - साहित्यिक स्वरूप	कदा परीक्षा - साहित्यिक स्वरूप -
3. प्रभा उल्लेखक हिन्दी	प्रभा उल्लेखक हिन्दी: परिभाषा और स्वरूप - हिन्दी के साहित्यिक स्वरूप पर	: राजभाषा/ हिन्दी के प्रमुख और - साहित्यिक परम्परा, साहित्यिक परम्परा/ परिभाषा - कथार और इतर का स्वरूप पर परिचय	इतर पर काम प्रभाषा, उपकरण - अनुवाद (प्रभाषा) - प्रभाषा, परीक्षा साहित्यिक गीत	प्रमत्त के निबन्ध - साहित्यिक स्वरूप - प्रभाषा - साहित्यिक स्वरूप	कदा परीक्षा - साहित्यिक स्वरूप -

Seem

डॉ. सीमा कुमार
साहित्य साहित्यिक हिन्दी विभाग,
राजकीय महाविद्यालय, बायली
सायन